तूफान में अनुग्रह के पाँच साधन

इब्रानी शब्द Hitil: फेंकना या उछालना

बार-बार आने वाली इब्रानी क्रिया hitil यह प्रकट करती है कि तूफान झूठे सहारों को फेंक देने और खाली होने के लिए परमेश्वर का साधन है।

वचन	फेंकना (Hitil)	क्या खाली किया जाता है
योना 1:4	यहोवा समुद्र पर एक प्रचंड तूफान भेजता (उछालता) है	झूठा शरणस्थान; परमेश्वर योना का दया से पीछा करने के लिए उसके सुरक्षित जहाज को संकट में डालता है
योना 1:5	मल्लाह जहाज के माल को समुद्र में फेंक देते हैं	जहाज को बचाने के लिए धन-संपत्ति, उपलब्धियाँ, और मानवीय प्रयास
योना 1:12	योना कहता है: "मुझे उठाकर समुद्र में फेंक दो"	स्वयं की इच्छा से चलना; यह स्वीकार करना कि तूफान उसके अपने विद्रोह के कारण आया है
योना 1:15	मल्लाह योना को उमड़ते हुए समुद्र में फेंक देते हैं	धार्मिक अहंकार और स्वयं का घमंड; समुद्र तुरंत शांत हो जाता है

योना

बालकों जैसा विश्वास बनाम बचकाना विश्वास

बचकाना विश्वास ज़िद करके अपने खुद के समाधान माँगता है, जबकि बालकों जैसा विश्वास परमेश्वर के स्वभाव और उसके व्यक्तित्व पर पूरा भरोसा रखता है।

बचकाना विश्वास

इब्रानियों 5

- अपने पहले से तय किए हुए उत्तर के साथ आता है और माँग करता है कि परमेश्वर उसे पूरा करे
- प्रार्थना में ज़िद करता है, और उसी समय वही माँगता है जो वह चाहता है
- केवल संकट को सुलझाने और अपने माल को बचाए रखने पर ही ध्यान लगाए रहता है
- अपने ही समाधानों पर भरोसा करता है और अपनी ही मर्ज़ी पर अड़ा रहता है

बालकों जैसा विश्वास

मत्ती 18:3

- अपने खुद के समाधान नहीं ढूँढ़ता और न ही अपने उत्तरों की माँग करता है
- परमेश्वर पर केवल इसलिए भरोसा रखता है क्योंकि वह पिता, चरवाहा, और प्रभु है
- स्वयं परमेश्वर को देखने के लिए दुखों के द्वारा खुद को खाली कर देता है
- स्वयं परमेश्वर पर भरोसा रखता है और पूरी तरह उसके स्वभाव में विश्राम पाता है

योना

अप्रत्याशित संदेशवाहकों के द्वारा परमेश्वर की आवाज़

परमेश्वर अप्रत्याशित संदेशवाहकों के द्वारा अपनी आज्ञा को दोहराकर हमारी आत्मिक नींद को तोड़ता है, ताकि हमें पश्चाताप की ओर वापस बुलाए।

1. प्रत्यक्ष वचन का विरोध किया गया

यहोवा का सीधा बुलावा

योना 1:2 · 'उठ, नीनवे को जा और उसके विरुद्ध प्रचार कर'

↓

भागना और आत्मिक नींद

योना 1:3, 5 · तर्शीश की ओर भागता है और जहाज के निचले भाग में गहरी नींद सोता है

↓

पाप की रक्षात्मक दीवार

आमने-सामने की चुनौती से मानवीय घमंड कठोर हो जाता है और हृदय बंद हो जाता है

नातान के दृष्टांत से पहले राजा दाऊद के समान, सीधे खुलासे का विरोध किया जाता है

2. संप्रभु गूँज: परमेश्वर परोक्ष रूप से बोलता है

साझा इब्रानी क्रियाएँ: קוּם (Qum · उठ!) + קְרָא (Qara · पुकार!)

↓

अन्यजाति मांझी: 'तू कैसे सो रहा है? उठ और अपने देवता की दोहाई दे!'

↓

परोक्ष अनुग्रह नींद को भेद देता है

दया के लिए अन्यजाति की विनती की भविष्यद्वाणी सम्बन्धी गूँज

जहाज का मांझी (योना 1:6)
'शायद तुम्हारा परमेश्वर हमारी सुधि ले, और हमारा नाश न हो।'

--

नीनवे का राजा (योना 3:9)
'क्या जाने परमेश्वर फिर पछताए... जिससे हम नाश न हों।'

3. परमेश्वर के हृदय को भेदने वाले वचन के प्रति दो प्रतिक्रियाएँ

निर्णय का क्षण

जब परोक्ष सत्य हमारी नींद को तोड़ता है, तब हम क्या उत्तर देंगे?

↓

पश्चाताप · हृदय का बिंध जाना

↓

कठोर होना · अनुग्रह का विरोध करना

योना ने विरोध किया, फिर भी परमेश्वर की कभी न रुकने वाली दया क्रूस की ओर उसका पीछा करती रही

संयोग से ईश्वरीय अनिवार्यता तक

परमेश्वर का सार्वभौमिक प्रबंध उस बात को, जो मानवीय दृष्टि से संयोग जान पड़ती है, अटल ईश्वरीय अनिवार्यता में बदल देता है।

मानवीय दृष्टिकोण

अंधा संयोग और भाग्य
जीवन की उथल-पुथल को किस्मत, दुर्घटना, या मात्र संयोग समझना

अन्यजातियों द्वारा चिट्ठी डालना
नाविकों द्वारा शकुन विचारना ताकि जान सकें कि यह विपत्ति किसके कारण आई

दुर्घटना का भ्रम
परमेश्वर की उपस्थिति के प्रति सुस्त, यह मान बैठना कि घटनाएँ बस यूँ ही संयोगवश घटती हैं

"आओ, हम चिट्ठी डालें...", योना 1:7

सार्वभौमिक सर्वोच्च नियंत्रण

ऊरीम और तुम्मीम
उजाला और सिद्धता: बाइबलीय चिट्ठियाँ जो परमेश्वर की इच्छा को परखती हैं

चिट्ठी पर परमेश्वर का प्रबंध
परमेश्वर सार्वभौमिक रूप से परिणाम को निर्देशित करता है ताकि संयोग को निश्चयता में बदल दे

चिट्ठी योना के नाम पर निकली
बार-बार की घटनाएँ एक जगह मिलती हैं: परमेश्वर अपने भागे हुए भविष्यद्वक्ता को अलग कर लेता है

"अतः उन्होंने चिट्ठियाँ डालीं, और चिट्ठी योना के नाम पर निकली", योना 1:7

ईश्वरीय वास्तविकता

वह परमेश्वर जो कभी पीछा नहीं छोड़ता
अथक दया जो उस हठीले सेवक का पीछा करके उसे ढूंढ निकालती है

ईश्वरीय अनिवार्यता
परमेश्वर की सार्वभौमिक नियुक्ति योना का पीछा करती है ताकि उसका आत्मनिर्भरता का घमंड चूर कर दे

विश्वास की प्रतिक्रिया
तूफान में परमेश्वर के हाथ को पहचानना और पश्चाताप में वापस लौटना

विश्वास सार्वभौमिक प्रबंध को पहचानता है, दुर्घटना को नहीं

योना

आप कौन हैं?

हम अपनी सच्ची पहचान सतही मानवीय उपाधियों से नहीं, बल्कि केवल परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत संबंध में पाते हैं।

पूछताछ
योना 1:8

बाहरी श्रेणियाँ हटा दी गईं:

व्यवसाय और सामाजिक भूमिका
"तेरा क्या काम-धंधा है?" : केवल एक मानवीय नौकरी

राष्ट्रीयता और संस्कृति
"तू कहाँ से आता है? तू किस जाति का है?"

नाम, लिंग और प्रजाति
जैविक और सामाजिक पहचान जो आत्मा को परिभाषित करने में असमर्थ हैं

इनमें से कोई भी पहचान यह उत्तर नहीं दे सकती कि आप वास्तव में कौन हैं

अनुग्रह का चौथा साधन
योना 1:8–9

"आप कौन हैं?"
परमेश्वर हमारी सच्ची पहचान का सामना कराने के लिए संकट और यह प्रश्न भेजता है

योना की खाई: अंगीकार बनाम जीवन

कट्टर सिद्धांत के शब्द: "मैं यहोवा की उपासना करता हूँ, जो समुद्र और भूमि का सृष्टिकर्ता है"
सटीक धर्मशास्त्र का उपयोग घमंडी धार्मिक ढाल के रूप में किया गया

विरोधाभासी जीवन: यहोवा के सम्मुख से भागना
उसका अंगीकार तो सही था, परन्तु उसका जीवन खुले विद्रोह में था

तूफान धार्मिक अहंकार और सच्ची आज्ञाकारिता के बीच की खाई को उजागर करता है

पहचान की जड़ें
सिद्धांत बनाम संबंध

Jonggyo (宗敎) : मौलिक शिक्षा
व्यक्तिगत परमेश्वर के बिना पूछता है कि 'तुम कौन हो?'; और अनुत्तरित रह जाता है

Religare : संबंध में बाँधना
सच्ची पहचान केवल जीवित परमेश्वर के साथ व्यक्तिगत संबंध में ही पाई जाती है

"यह मेरे लिये भला ही हुआ कि मैं दुःखित हुआ"

हम केवल उसी परमेश्वर के सामने जान पाते हैं कि हम कौन हैं, जो हमारा पीछा करता है

क्रूस: अनुग्रह का सर्वोच्च साधन

तूफान में परमेश्वर का पीछा करना योना के चिन्ह की ओर ले जाता है, जो सीधे क्रूस के सर्वोच्च अनुग्रह की ओर संकेत करता है।

